

मनाज लकड़ा  
2.2.10

अध्याय २२ के अधीन एक प्रमाणित नाम  
 भारतकारी म... 1908 की धारा  
 46 F.P.O. के अधीन  
 मध्य: भारतीय स्टाम्प अधिनियम  
 बृहत्तम स्टाम्प (वृद्ध) 1899 की अनुसूची  
 का 1 क संख्या: 23 F.P.O. with the permission  
 अधिकारी, D.C. Simdega, vide case  
 नित (या अधिनियम संख्या 86/2009-10, order dt. 29.9.09.  
 कायम रहने पर प्रमाणित नहीं।

2.2.10

2.2.10

§ 18 लेख्यकारी:- श्री मनोज लकड़ा पिता स्व० विमल देवनीश  
 लकड़ा, जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम-खिजरी  
 पुरनापानी, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा।

... .. बिकेता।

शापथ-पत्र संख्या:-

64 / 2010

7

अरविन्द रिक्ति  
 पिता श्री दामनिक रिक्ति  
 ग्राम - खिजरी पुरनापानी  
 थाना - सिमडेगा  
 जिला - सिमडेगा  
 ति - 2.2.10

13/10

000024/10

Sold no. 13 Oct 22-1-10



श्री. अणु रत्ना लियारामिका  
पति श्री. देवेन्द्र झा  
श्री. प्रियंका कान्त  
विश्वविद्यालय तनकितिवन स्टो  
बाली  
पत्नी  
7000/-  
22/1/10  
कोषागार अधिकारी  
सिमडेगा

1000 x 7 = 7000/-  
₹ 7000/-



मयराज लाल  
2.2.10



02-2-10 10 to 1

अनाक  
रक का प्रमाण  
अपराधन के अन्तर्गत निवर्तन कार्यालय  
समवेत में हेरफेरी या हेरफेरी  
या उनके मुख्तार जो सम  
किस शक्ति संख्या  
प्रधान के कितने अंक  
निवर्तन द्वारा प्रमाणित है:  
श्री. श्रीमती मनोज लाल  
पति श्री. श्रीमती विमल देवनी लाल  
पति श्री. श्रीमती विमल देवनी लाल  
पति श्री. श्रीमती विमल देवनी लाल  
पति श्री. श्रीमती विमल देवनी लाल

2-2-10  
2-2-10



--2--

§2§ लेखधारिणी:- श्रीमती अनस्तासिया सोरेंग पीत श्री सेनेन हुँगहुँग, जाति- खीड़्या, पेशा- नौकरी, निवास ग्राम- पिथरा, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. केतिका ।

शपथ-पत्र संख्या:- 65/ 2010

§3§ लेखप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

§4§ मूल्य:- मोबलिंग एक लाख पचहत्तर हजार रुपये अंके 1,75,000/- रुपये होता है ।

§5§ सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- खिजरी पुरनापानी, थाना- सिमडेगा, थाना नं० 105, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं० 130 §एक सौ तीस§ प्लॉट नं० 61 §एकसठ§ रकबा 2.32 एकड़ में से 0.18 एकड़ §अठारह हिस्सिमल§ यह जमीन व्यक्त्यायिक नहीं है पूर्णतः आवासीय है जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नहीं है । जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर:- इसी प्लॉट का अंश नीज बिक्रेता टांड,  
दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश डाल खरीदगी टांड,  
पूरब :- इसी प्लॉट का अंश रास्ता 5 फीट का,

बिक्रेता की चौहद्दी  
नीज बिक्रेता पुरनापानी  
नीज बिक्रेता खिजरी  
नीज बिक्रेता सिमडेगा

Mamun Lakshmi  
2.2.10

2.2.10

000025/10

13  
29/1/10



29.1.10  
R/S

29.1.10

Handwritten notes in Hindi, including the name 'सिमडेगा' (Simdega) and other illegible text.

Faint, mostly illegible text in Hindi, likely bleed-through from the reverse side of the page.



--3--

पश्चिम:- इसी प्लॉट का अंश किशोर लकड़ा का टांड।  
मालगुजारी 5 पैसा ४ पाँच पैसा ४ अलावे सेस सलाना ।

१११ चुँक मुझ लेख्यकारी को मकान निर्माण एवं अन्य दीगर घरेलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैरे सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

१२१ इसीलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

१३१ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि विक्रीत वर्णित जमीन खीतयानी है । खीतयान में मेरे दादा गोसाईं उराँव वगैरे के नाम से नाप दर्ज है । मेरे दादा एवं पिताजी की मृत्यु हो चुकी है । उनकी मृत्यु के बाद

Manoj Lal Singh  
2.2.10

Prady & Shree Lal Singh

2.2.10



--4--

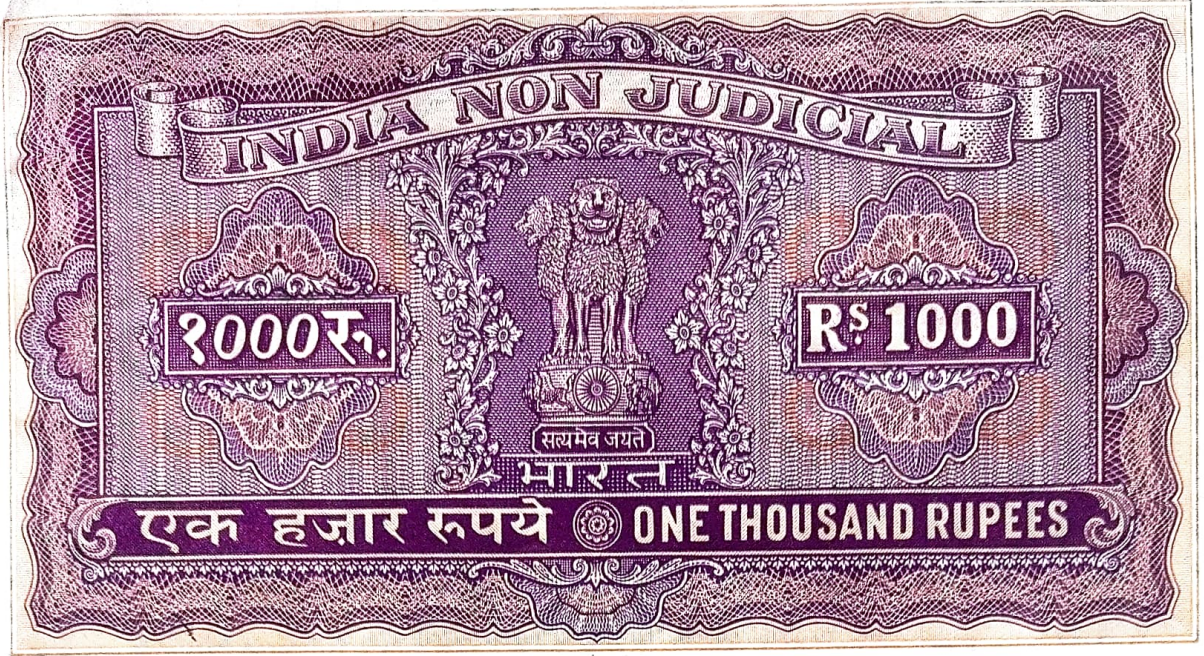
जमीन का आपसी मौखिक भेदादी बँटवारा हो चुका है ।  
जो जमीन मैं बेच रहा हूँ मेरे निज हिस्से की जमीन है जिसपर  
मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है और किसी प्रकार का  
वाद या झगडा झंझट नहीं है ।

§ 4§ चुँक हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य है  
अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् उप समाहर्ता  
भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटीनागपुर कास्तकारी  
अधीनस्थ की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद  
संख्या 186/2009-10 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 29.9.09 को  
प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं० 845§।।§ दिनांक 30.9.2009 है ।

§ 5§ अब चाहिए कि लेखधारिणी अपनी जमीन पर काविज वो  
दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझे अपने उपयोग में लावे  
वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय  
से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख से व अदाय  
मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§ 6§ इसीलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के  
लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

Ramesh Lakshya  
2.2.10



--5--

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बका जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।



Manoj Lakya

Manoj Lakya  
2.2.10

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी के बाप बाबू का पांचों अंगुलियों का बाप मेरे समकालिया जमा ।

संजय कुमार महता

अधिवक्ता

2.2.10

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।



अनास्ता खिया सौरंग

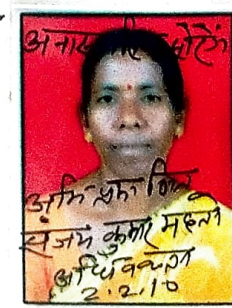
2-2-2010

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारिणी के बाप बाबू का पांचों अंगुलियों का बाप मेरे समकालिया जमा ।

संजय कुमार महता

अधिवक्ता

2.2.10





--6--

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वों समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

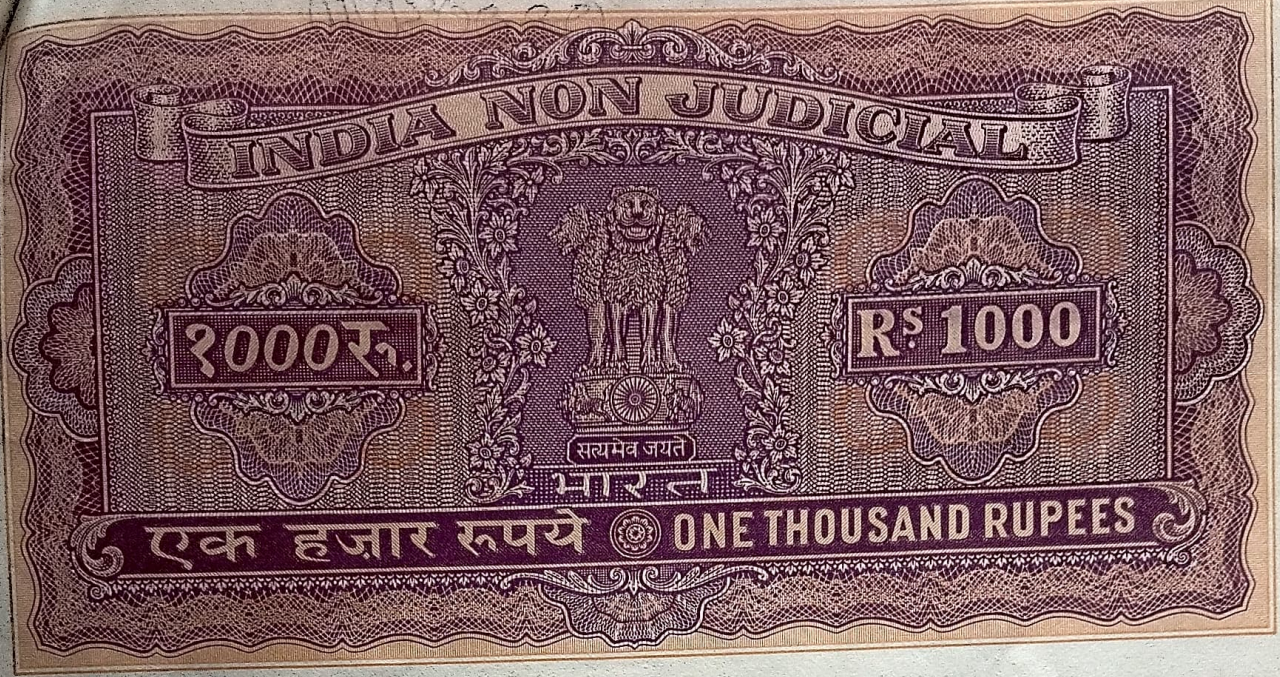
सही/-

संजय कुमार मठिया  
 अधिवक्ता  
 प्रारूपकर्ता

तारीख:- 2.2.10

प्लानेट जेकरा  
 2.2.10





--7--

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल सात पृष्ठों में कुल 586 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वॉटरमार्क सहित है ।

टंकित  
श्री ० ००००५  
२-२-२०१०  
मो० मकसूद  
कचहरी परिसर,  
सिमडेगा ।

Mangal Lakshya  
2.2.10